सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-221
11/05/2017

बिना जरूरत के बिजली का खपत नहीं कीजिये, जितना जरूरी हो उतना ही बिजली का उपयोग करें–मुख्यमंत्री

पटना, 11 मई 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय, संवाद में आयोजित कार्यक्रम में रिमोट के द्वारा ऊर्जा विभाग के 2650.51 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि सबसे पहले ऊर्जा विभाग को बधाई देता हूँ। विभाग ने घर–घर बिजली पहुँचाने के लिये बनायी गयी सात निश्चय योजनाओं का क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया है। 2018 के अंत तक हर घर तक बिजली का कनेक्शन उपलब्ध करा दिया जायेगा। 2017 के अंत तक हर गॉव, हर बसावट तक बिजली पहुँचा दी जायेगी। उन्होंने कहा कि ट्रांसमिशन, सब ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन आदि के लिये विभिन्न आधारभूत संरचनायें जो पूरे प्रदेश में फैली है, के लिये अनेक योजनाओं का आज शिलान्यास, उद्घाटन एवं लोकार्पण करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अधिकांश जिलों में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मैं इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों, जन प्रतिनिधियों का स्वागत करता हूँ एवं उनको बधाई देता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक शिकायत निवारण केन्द्रों पर बिजली विभाग के बिल से संबंधित शिकायतें अवश्य मिलती हैं। हमने अपने दौरे में इसे देखा और महसूस किया है। उन्होंने कहा कि आज सबसे बड़ी चुनौती यही है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग के आधारभूत संरचना में काफी रिफॉर्म का काम किया गया है। इसमें सबसे लेटेस्ट रिफॉर्म बिजली के दरों को लेकर हुआ है। उन्होंने कहा कि इस बार विभाग ने जीरो सब्सिडी पर दर निर्धारण हेतु अपना आवेदन केन्द्रीय ऐजेंसी के समक्ष प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य था कि बिजली दर निर्धारण के बाद राज्य सरकार यह निर्धारित करेगी कि किसको कितनी सब्सिडी दी जाय। अन्य राज्यों के बिजली दर का भी अध्ययन किया गया। उन्होंने कहा कि लोगों को दी जा रही सब्सिडी में स्पष्टता होनी चाहिये। बिहार सरकार ने जो काम किया है, इसकी ऊर्जा मंत्रियों के काउंसिल में भी तारीफ की गयी। इसे जानने के बाद लोगों में भी संतोष हुआ। उन्होंने कहा कि सब्सिडी भी बिजली बिल में अंकित होगी। उपभोक्ता को सब्सिडी घटाकर बिल का भुगतान करना होगा। सरकार आज पहले से ज्यादा सब्सिडी दे रही है। सब्सिडी की पूरी जानकारी लोगों को होगी। लोग यह महसूस करेंगे कि बिजली का रेट क्या है और सरकार कितनी सब्सिडी दे रही है। उन्होंने कहा कि साथ ही सरकार भी देख सकेगी कि हम उपभोक्ताओं को कितनी सब्सिडी दे रहे हैं और बिजली कम्पनियों की इफिसियेंशी कितनी है। इससे कम्पनियों की इफिसियेंशी बढ़ेगी। लोक शिकायत निवारण केन्द्र पर बिजली बिल की शिकायत का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जगह एक गरीब को 28 हजार रूपये का बिजली बिल आया था। लोक शिकायत निवारण अधिकारी ने बिजली विभाग को तलब किया। विभाग ने मामले की जॉच की और सुनवाई के दिन विभाग द्वारा कहा गया कि बिजली बिल गलत है, इनका सही बिल 800 रूपया होना चाहिये। ऐसे एक नहीं अनेक उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली बिल में सुधार के लिये पहल भी की गयी है। लोगों का उनके सामने बिलिंग किया जायेगा। मोबाईल के माध्यम

से बिल की जानकारी दी जायेगी। स्पॉट बिलिंग की भी सुविधा दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का उपभोक्ता बिजली बिल का भुगतान करना चाहता है। अगर हम अपनी प्रक्रिया को सही कर लेंगे तो लोग ससमय बिल का भुगतान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इतना बड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में 536.33 करोड़ रूपये की योजनाओं का उद्घाटन किया गया है, 894.55 करोड़ रूपये की योजनाओं का शिलान्यास तथा 1219.63 करोड़ रूपये की योजनाओं का लोकार्पण किया गया है। इसके लिये मैं विभाग को बधाई देता हूँ और मुझे विश्वास है कि सभी योजनाओं का ससमय क्रियान्वयन किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्युतिकरण का कार्य किया जा रहा है। लगभग 633 गॉव अभी अनइलेक्ट्रीफाइड हैं। विभाग द्वारा बताया गया है कि पटना, सारण, खगड़िया आदि के 157 गॉव जो दियारा क्षेत्र में पड़ते हैं वहॉ ट्रांसमिशन टावर के माध्यम से बिजली पहुँचाई जा रही है। विभाग द्वारा यह भी बताया गया कि पश्चिम चम्पारण सहित अन्य जिलों के 218 गॉव जो दुर्गम क्षेत्र में हैं वहॉ भी सोलर एनर्जी के माध्यम से बिजली पहुँचाने के लिये ऐजेंसी का चयन कर लिया गया है। सर्वे का काम चल रहा है, नवम्बर 2017 तक कार्य पूरा कर लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि ससमय कार्य पूर्ण करने हेतु विभाग को कार्यों की मॉनीटरिंग करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कटिहार में कई गॉव हैं जहॉ विद्युतिकरण (दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना) का कार्य शेष है। 2016 में इसकी स्वीकृति केन्द्र सरकार से प्राप्त है। इसका भी कार्य पूरा कर लेना है, साथ ही मुजफ्फरपुर के 24 गॉव तथा भागलपुर के 6 गॉव जो फ्रेंचायजी के क्षेत्र में पड़ते हैं वहॉ विद्युतिकरण काम रूका हुआ है, उसे भी जल्द पूरा कर लेना है। उन्होंने कहा कि इस साल के अंत तक सभी गॉव में बिजली पहुँचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा के प्रति लोगों को जागरूक करना चाहिये। जहानाबाद के एक गॉव का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि गॉव को सौर ऊर्जा से ऊर्जान्वित किया गया था, जब मैं उसे देखने गॉव पहुँचा तो लोगों ने तख्ती दिखाई कि नकली नहीं असली बिजली चाहिये। बाद में लोगों से बातचीत के दौरान मैंने उन्हें सौर ऊर्जा के बारे में बताया और कहा कि यही असली बिजली है। कोयला तो आज न कल समाप्त हो जायेगा। सौर ऊर्जा के प्रति लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाना चाहिये। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के दृष्टिकोण से ऐसे बहुत जगह हैं, जहॉ बिजली का पोल नहीं लगाया जा सकता है। इन जगहों पर बिजली पहुँचाना मुश्किल है। ऐसे में सौर ऊर्जा ही एक विकल्प है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग को अच्छे कार्य के लिये केन्द्र सरकार द्वारा पुरूस्कृत किया गया है। बिजली विभाग द्वारा अच्छा कार्य किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं सभी से एक बात कहता हूँ कि सभी अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि जन सम्पर्क करें, लोगों को प्रेरित करें। मैं जहॉ भी जाता हूँ लोगों से यह अपील करता हॅ कि बिना वजह बिजली की खपत नहीं कीजिये, जितनी जरूरी हो उतना ही बिजली का उपयोग करें। आज जीवन में सुविधा के लिये बिजली की खपत बढ़ रही है, इसलिये हमें बिजली बचाने की आवश्यकता है। लोगों को बिजली के सही उपयोग के लिये जागृत करना होगा। लोक शिक्षण के लिये हर घर पर बिजली कैसे बचायें इससे संबंधित पम्फलेट लगाया जा सकता है। इसका काफी प्रभाव पड़ता है। अगर नई पीढ़ी के लोगों को बिजली बचाने से संबंधित जानकारी दी जाय तो वे बाकियों को जरूर समझायेंगे। बच्चों को भी इसके बारे में बताया जाय। बच्चा जानता है तो घर पर उसको प्रचारित करता है, जिसतरह से आपदा से संबंधित प्रशिक्षण स्कूलों में बच्चों को दिया जाता है ताकि वे घर जाकर बतायें। आज इसी कारण व्यक्तिगत स्वच्छता जोर पकड़ी है। उन्होंने कहा कि पहले बिजली कम थी आज लोगों को बिजली मिलने लगी है, तो लोगों की अपेक्षा और भी बढ़ गयी है। उन्होंने कहा कि कहॉ से हम कहॉ तक पहुँच गये हैं, इसको देखिये। अभी तो यात्रा पर हैं, यात्रा तो पूरी होने दीजिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली की गुणवत्ता भी बहुत बड़ी चीज है। हमारा लक्ष्य है कि हम लोगों को गुणवत्तापूर्ण बिजली दें। हमें पूरा भरोसा है कि बिजली की गुणवत्ता में सुधार

होगा। बिजली वितरण कम्पनियों की इफिसियेंशी और बढ़ेगी, बिजली का नुकसान कम होगा। उन्होंने कहा कि आप सभी पूरे बिहार में ऐसा काम करें कि इसकी पूरे देश में सराहना हो। जिस तरह नालन्दा के लिये आपको पुरस्कृत किया गया है, अगर आप ऐसा कार्य करते रहे तो पूरे बिहार के लिये पुरस्कार प्राप्त कीजियेगा। पूरे बिहार के काम को इस तरह कीजिये कि उसकी पूरे देश में सराहना हो। लोगों को जो कहना है कहते रहें, हमें अपना काम दृढ़ता और संकल्प के साथ करते रहना है।

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुये उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि आज का दिन बिहार और बिहार वासियों के लिये महत्वपूर्ण है। आज 2650 करोड़ रूपये की योजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन एवं लोकार्पण हो रहा है। सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि बिहार में 24 घंटा बिजली रहे। बिहार का हर घर रौशन होगा। बिजली चोरी से राज्य को नुकसान होता है।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, प्रधान सचिव ऊर्जा विभाग श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के ऊर्जा सलाहकार श्री पी0के0 राय, दक्षिण बिहार पावर कम्पनी के एम0डी0 श्री आर0 लक्ष्मनण, उत्तर बिहार पावर कम्पनी के एम0डी0 श्री संदीप के0आर0पी0 सहित ऊर्जा विभाग के वरीय अधिकारी एवं अभियंतागण मौजूद थे।

******